मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चित्तौड़गढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती है जिससे वह लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से उनके सामने रख सकते है। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बन रहता है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है उन्होंने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता की मिसाल कायम हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है- डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। वसुदेव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उतार-चढ़ाव आये। लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कोई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है।

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत 14 देशों के विद्यार्थियों के बीच हुआ फाइनल मुकाबला

इस भाषण प्रतियोगिता का विषय ''बीसवी सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका'' था। सोमवार को हुए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल, आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायकों ने विजेताओं का चयन करते समय विषय वस्तु की प्रसंगिकता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अभिव्यक्ति का नियंत्रिकरण आदि विषयों के आधार पर परिणाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाईजीरिया के इनोके माइकल ओबिना को 51000/- रूपये, द्वितीय विजेता को 31000/- रूपये नाईजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय की विद्यार्थी निनेजी क्लेर सोचिमेजेम तथा अमेरिका की इन्द्रकान्ति श्री प्रदा को एवं तृतीय विजेता बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21000/- रूपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के ओएसडी एच विधानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, कुलसचिव प्रो. आर राज, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो.(डॉ.) चित्रलेखा सिंह, प्रो. (डॉ) सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्षों सहित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

चित्तौड़गढ़(लाइव रिपोर्ट-अमित कुमार चेचानी)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चित्तौड़गढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं जिससे वह लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से उनके सामने रख सकते है। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। उन्होने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता की मिसाल कायम हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है- डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। वसुदेव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उतार-चढ़ाव आये। लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कोई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चित्तौड़गढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया।

भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं - आईसीसीआर अध्यक्ष

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं जिससे वह लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से उनके सामने रख सकते है। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। उन्होने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता की मिसाल कायम हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है- डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। वसुदेव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उतार-चढ़ाव आये। लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कोई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है।

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत 14 देशों के विद्यार्थियों के बीच हुआ फाइनल मुकाबला: इस भाषण प्रतियोगिता का विषय ''बीसवी सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका'' था। सोमवार को हुए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल, आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायकों ने विजेताओं का चयन करते समय विषय वस्तु की प्रासंगिकता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अभिव्यक्ति का नियंत्रिकरण आदि विषयों के आधार पर परिणाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाईजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51000/- रूपये, द्वितीय विजेता को 31000/- रूपये नाईजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय की विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम तथा अमेरिका की इन्द्रकान्ति श्री प्रदा को एवं तृतीय विजेता बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21000/- रूपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के ओएसडी एच विधानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धधन, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, कुलसचिव प्रो. आर राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो.(डॉ.) चित्रलेखा सिंह, प्रो. (डॉ) सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों सहित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गंगरार। उपखण्ड क्षेत्र के मेवाड़ विष्वविद्यालय गंगरार में सम्मानित करते हुए एवं प्रर्दषनी का अवलोकन करते हुए।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई भाषण प्रतियोगिता

■ 14 देशों के विद्यार्थियों ने लिया भाग

गंगरार। भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती है। प्रखर वक्ता लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से रख सकता है। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। देश-विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। यह बात भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने कही। वे आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता को बतौर मुख्यवक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

सहस्त्रबुद्धे ने सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाइजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जानें गई, लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। वसुधैव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कोई आंच नहीं आने दी, इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है। इससे पूर्व महाविद्यालय के महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

विजेताओं को किया पुरस्कृत : भाषण प्रतियोगिता का विषय बीसवी सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका था। फाइनल राउंड में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम नाइजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजार, द्वितीय नाइजीरिया के ही निवासी व मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम व अमरीका की इंद्रकांति श्रीपदा को 31 हजार तथा तृतीय विजेता बांग्लादेश की पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रुपए का नगद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, कुलसचिव प्रो. आर राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल उपस्थित रहे। अंत में विश्वविद्यालय के ओएसडी एच विधानी ने आभार व्यक्त किया।

Dainik Navajyoti 21-02-2023

अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रति. आयोजित

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया। मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्र बुद्धे ने कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं।

कुलाधिपति डॉ. गदिया ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने कहा कि

विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उतार-चढ़ाव आये। भाषण प्रतियोगिता का विषय "बीसवी सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका" था। फाइनल राउंड में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं में प्रथम नाईजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजार रूपये, द्वितीय विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम को 31 हजार तथा अमेरिका की इन्द्रकान्ति श्री प्रदा को एवं तृतीय बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रूपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफडॉ. अलका अग्रवाल, डी. के. शर्मा, हरीश गुरनानी, प्रो. आर राजा, उपकुलसचिव दीसि शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों सहित प्राध्यापका एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। Pratahkal 21-02-2023

मेवाड़ विवि में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाषण कला विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उपयोगी

गंगरार, 20 फरवरी (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में सोमवार को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से सामने रख सकता है, वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। देश विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ-साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। उन्होने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाइजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के

माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरुकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। कार्यक्रम को प्रतिकुलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने भी संबोधित किया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय बीसवी सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका था। सोमवार को हुए फाइनल राउंड में बांग्लादेश, नाइजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायकों ने विजेताओं का चयन करते समय विषय वस्तु की प्रासंगिकता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अभिव्यक्ति का नियंत्रिकरण आदि विषयों के आधार पर परिणाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाइजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजारे, द्वितीय विजेता को 31 हजार रुपये नाईजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम तथा अमेरिका की इन्द्रकान्ति श्रीप्रदा, तृतीय विजेता बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यं म प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डीके शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी आदि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार ओएसडी एच विधानी ने व्यक्त किया।

Jannayak 21-02-2023